

RNI No. -UPHIN/2018/77043

ISSN : 2582-2624

पीयर-रिव्यूड रेफर्ड जर्नल

भावक

हिंदी साहित्य : सृजन एवं चिंतन के विविध आयामों पर केंद्रित
खंड-7, अंक-4; श्रावण-आश्विन, 2082-83/जुलाई-सितम्बर 2025



केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

अनुक्रम

प्रधान संपादक की कलम से.....	प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी	05-09
संपादकीय	प्रो. सपना गुप्ता	10-11
भारतीय ज्ञान परंपरा में मिथिला की उपस्थिति	बंदना झा	12-20
रामदरश मिश्र के काव्य में सामाजिक और राजनीतिक यथार्थ	योगेश कुमार एवं कमलेश कुमारी	21-27
भारतीय ज्ञान प्रणाली में जनजाति जीवन दर्शन	अलका यादव	28-35
प्रेमचंद की कहानियों में नारी चातुर्य	विनय कुमार	36-48
गुरु परंपरा और भारतीय ज्ञान परंपरा ऐतिहासिक और दार्शनिक दृष्टिकोण (हिंदी साहित्य के विशेष संदर्भ में)	शारदा द्विवेदी	49-56
मिथकों से विज्ञान की ओर बढ़ता समाज	उषा	57-60
राष्ट्रीयता और पर्वतीय आंचलिकता का जीवंत दस्तावेज : 'मेजर निराला'	अनामिका जैन	61-68
स्वतंत्रता आंदोलन और महाराष्ट्र की पत्रकारिता	सुनील डहाळे	69-76
कबीर-काव्य का दार्शनिक द्वंद्व	पीयूष कुमार दुबे	77-83
गहन अनुभूति के चितरे कवि : जगन्नाथदास रत्नाकर	नृत्य गोपाल	84-91
श्रावस्ती का विजयपर्व : एक गौरवशाली विस्मृत कालखंड	ऋचा गुप्ता	92-100